अभातेयुप जैन तेरापंथ न्यूज़
संघीय समाचारों के सम्प्रसारण का सर्वाधिक लोकप्रिय एवं विश्वरत नेटवर्क
www.jainterapanthnews.in / jtnmain@gmail.com

त्रिदिवसीय गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी के 30वें महाप्रयाण दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ : गंगाशहर

"गुरुदेव श्री तुलसी विराट व्यक्तित्व के धनी महान संत पुरुष थे".. साध्वीश्री त्रिशलाकुमारी जी

गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी के 30वें महाप्रयाण दिवस की उपलक्ष में आचार्य तुलसी शाति प्रतिष्ठान की ओर से त्रिदिवसीय कार्यक्रम की श्रृंखला में प्रथम दिवस का कार्यक्रम शातिनिकेतन सेवाकेंद्र में व्यवस्थापिका साध्वीश्री त्रिशलाकुमारी जी के सान्निध्य में आयोजित हुआ, साध्वीश्री जी के नमस्कार महामंत्र के मंगल संगान से प्रारम्भ इस कार्यक्रम में मंगलाचरण तेरापंथ महिला मंडल, गंगाशहर की बहनों ने किया। अपना ओजस्वी वक्तव्य देते हुए शातिनिकेतन सेवाकेंद्र व्यवस्थापिका साध्वीश्री त्रिशलाकुमारी जी ने फ़रमाया कि "गुरुदेव तुलसी युगद्दष्टा थे उन्होंने सदैव अपने शिष्यों को उनकी साधना में आगे बढ़ाने के लिए सहयोग प्रदान किया, गुरुदेव तुलसी ने सिर्फ तेरापंथ को ही नहीं, बल्कि संपूर्ण जैन समाज के लिए एक बहुत बड़ा उपकार किया है . गुरुदेव श्री तुलसी संत परंपरा के उज्जवल नक्षत्र थे, जीवन पर्यंत उन्होंने स्वयं के आत्मकल्याण के साथ जन जन के कल्याण के लिए अथक श्रम किया, वे मानव मात्र में नैतिकता और मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा के लिए लगे रहे इसलिए उनके अवदान भले अणुव्रत हो, जीवन विज्ञानं हो, प्रेक्षा ध्यान हो चाहे नया मोड़ हो ये सभी उस समय की परिस्थिति और कुरुढ़ियों को दूर करने के लिए आम आदमी के हित के लिए थे. आचार्य तुलसी का आचार्य काल तेरापंथ धर्मसंघ में आज तक सबसे लम्बे समय का रहा है और उनके अवदानों की श्रखला भी बहुत लम्बी रही है. सही मायने में गुरुदेव श्री तुलसी विराट व्यक्तित्व के धनी महान संत पुरुष थे।

शेष आगे :.....